अवध की आवाज

www.avadhkaawaz.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष–10 अंक–257 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 16 जनवरी 2022 पृष्ठ – 4 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना सफीपुर, जनपद उन्नाव दिनाँक 15.01.2022 अवैध तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक जनपद उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारीसफीपुर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सफीपुर पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को एक अदद अवैध तमंचा 12 बोर मय दो अदद जिंदा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना गंगाघाट, जनपद उन्नाव दिनाँक 15.01.2022 अवैध तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त गिरफ्तार पुलिस अधीक्षक जनपद उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक उन्नाव व क्षेत्राधिकारी महोदय नगर के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना गंगाघाट पुलिस द्वारा एक अभियुक्त को एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर मय दो अदद जिंदा कारतूस बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

पीसीएस मुख्य परीक्षा स्थगित करने की अभ्यर्थियों की मांग का युवा मंच ने किया समर्थन

अवध की आवाज

लखनऊ। पिछले दिनों जिस तेजी के साथ देश में संक्रमण का खतरा बढ़ा है उसके मद्देनजर उत्तर प्रदेश सरकार के दिशानिर्देश पर यूनिवर्सिटी कालेज तक की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई, तमाम तरह के प्रतिबंध लगा दिये गए हैं। चुनाव आयोग द्वारा चुनावीं जनसंपर्क तक में तरह तरह के प्रतिबंध लगाया गया है वैसे में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 20 लाख अभ्यर्थियों वाली टीईटी परीक्षा को आयोजित कराया जा रहा है जिसका फिलहाल अब शिक्षक भर्ती विज्ञापन से भी कोई संबंध नहीं रह गया है। ऐसे में टीईटी परीक्षा के औचित्य पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि कहीं योगी सरकार लोगों की जिंदगी को खतरे में डालकर यह आर्हता परीक्षा युवा हितैषी होने के महज दिखावा के लिए तो आयोजित नहीं करा रही है ऐसे गंभीर आरोप लग रहे हैं। दरअसल टीईटी परीक्षा के दौरान पिछले दिनों देखा गया था कि परीक्षा केंद्रों से लेकर बस अड्डों आदि जगहों पर भारी भीड़ एकत्र हुई जिसमें कोरोना गाईडलाईन का अनुपालन संभव ही नहीं है। युवा मंच ने प्रदेश सरकार और पीएनपी से जानना चाहा है कि क्या इतनी बड़ी परीक्षा के आयोजन के संदर्भ में संक्रमण महामारी विशेषज्ञों से परामर्श व दिशानिर्देश लिया गया है। दरअसल योगी सरकार तीसरे लहर से निपटने के लिए पहले की तरह ही सिर्फ शेखी बघारने में लगी है और गंभीर नहीं है।

गोरखपुर से उम्मीदवार बनने पर सीएम योगी ने जताई खुशी, बोले- 10 मार्च को भाजपा बनाएगी सरकार

लखनऊ (वेब वार्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर सदर विधानसभा क्षेत्र और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज के सिराथू

निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। केन्द्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के चुनाव प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान ने शनिवार को उम्मीदवारों की घोषणा की। पार्टी की प्रथम सूची में कुल 107 उम्मीदवारों के नाम हैं। इसमें पहले चरण के 57 और दूसरे चरण की 48 सीटों पर नाम तय किए गए हैं। प्रधान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने सबके लिए काम किया है। लोगों का प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा है। इसलिए भाजपा फिर से 300 प्लस सीटों के साथ सरकार बनाने जा रही है। प्रधान ने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि 2022 में हम फिर से तीन सौ से अधिक सीटें जीतने जा रहे हैं। पहले चरण की 58 सीटों में से 57 पर उम्मीदवारों के नाम की घोषण की गयी है। उन्होंने कहा कि हमने जो कहा, उसे किया है। हम वादा करके भूल नहीं जाते हैं। प्रधान ने कहा कि देश की जनता ने 2014 में केन्द्र में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया। तब उन्होंने सबका साथ सबका विकास का नारा दिया। उसे हम आज तक लेकर चल रहे हैं। गुण्डाराज और भ्रष्टाचार का विरोध हमने प्रमुख विषय बनाया था। केन्द्र की किसी योजना का लाभ सबसे अधिक उप्र के लोगों को मिला है। बिजली कनेक्शन, पानी, मुफ्त में अनाज, बैंक के खाते में पैसा, गरीबों श्रमिकों के बैंक खाते में पैसा पहुंचा है। नरेन्द्र मोदी के प्रति लोगों का भरोसा बढ़ा है। योगी सरकार ने पिछले सरकार में गुण्डाराज, भ्रष्टाचारियों, माफियाओं पर नकेल कसा है। 2017 से पहले हर दिन दंगा होते थे। दावे के साथ कह सकता हूं कि पिछले पांच सालों में योगी ने दंगामुक्त शासन दिया है। पूर्वांचल एक्सप्रेस, गोरखपुर एक्सप्रेसवे, बुंदेलखण्ड एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे और देश का बसे बड़ा एअरपोर्ट बन रहा है। उत्तर प्रदेश का विकास अब निरंतर

सभी पार्टी कार्यकर्ता कोरोना प्रोटोकाल का पालन करें, कार्यालय में चिपकाया नोटिस-अखिलेश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस करते हुए अपने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से कोरोना प्रोटोकाल का पालन करने की अपील की है। इस संबंध में सपा कार्यालय के बाहर नोटिस भी

लगा दिया गया है। सपा कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित सदस्यता ग्रहण समारोह में कोविड प्रोटोकॉल और धारा 144 के उल्लंघन का मामला गौतमपल्ली थाने में दर्ज किया गया है। भाजपा छोड़कर सपा में गए कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या, धर्म सिंह व अन्य नेताओं के सदस्यता ग्रहण समारोह के लिए अनुमति नहीं ली गई थी। डीसीपी मध्य अपर्णा गौतम के मुताबिक गौतमपल्ली थाने के बंदरियाबाग चौकी प्रभारी अजय सिंह ने ड्यूटी के दौरान देखा कि सपा कार्यालय परिसर के अंदर दो से ढाई हजार कार्यकर्ता जुटे हैं। वहीं इनके वाहनों से मार्ग अवरुद्ध हो गया। अजय सिंह ने इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दी। इसके बाद पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर के आदेश पर चौकी प्रभारी अजय सिंह की तहरीर पर सपा के ढाई हजार कार्यकर्ताओं के खिलाफ कोविड–19 के प्रोटोकॉल, धारा 144, आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन और महामारी अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है।

चुनाव आयोग ने लगाई थी रैली, जुलूस व बैठकों पर रोक

डीसीपी मध्य अपर्णा गौतम के मुताबिक चुनाव आयोग ने 9 जनवरी को आदर्श आचार संहिता लागू की थी। उस दिन घोषणा हुई थी कि 15 जनवरी तक रैली, जुलूस व बैठक का आयोजन नहीं किया जाएगा। इसकी सूचना सभी राजनीतिक दलों को दी गई थी, लेकिन सपा के कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के निर्देशों काखुला उल्लंघन किया है।

प्रधानमंत्री मोदी 18 जनवरी को वाराणसी से भाजपा कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जनवरी को उत्तर प्रदेश के वाराणसी के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे। पार्टी ने शनिवार करेंगे। भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई ने कार्यक्रम की जानकारी अपने ट्विटर हैंडल पर दी और लोगों से नमो ऐप के जरिए अपने विचार एवं सुझाव साझा करने को

को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मोदी का यह पहला राजनीतिक कार्यक्रम होगा। सूत्रों ने बताया कि मोदी इस दौरान संभवतः डिजिटल संवाद कहा। निर्वाचन आयोग ने विधानसभा चुनावों की घोषणा करते हुए कोविड– 19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर 15 जनवरी तक जनसभाओं और रोड शो पर प्रतिबंध लगा दिए हैं और वह शनिवार को बाद में अपने भावी दिशा–निर्देशों की जानकारी देगा।

मायावती ने 53 प्रत्याशियों की जारी की सूची, सत्ता में वापसी का किया दावा

लखनऊ (वेब वार्ता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने 66वें जन्मदिन पर पहले चरण की 58 में 53 उम्मींदवारों की सूची जारी की है। साथ ही सत्ता में वापस आने का दावा भी किया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने जन्मदिन के अवसर पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी मेरे जन्मदिन को कोविड–19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए मनाया जा रहा है। मेरे जन्मदिन को जनकल्याणकारी के रूप में आज सभी लोग मना रहे हैं। बसपा प्रमुख मायावती ने 66वें जन्मदिन पर आयोजित लखनऊ में शनिवार को कार्यक्रम में दल–बदल कानून को कड़ा बनाने की भी मांग की। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि बसपा को सत्ता में वापसी का पूरी उम्मीद है। पिछले कामकाज के आधार पर जनता हमें जिताएगी, विरोधी हमें सत्ता में आने से रोकने के लिए हर हथकंडे अपना रहे हैं, लेकिन जनता उनके इन हथकंडों को समझ चुकी है। मायावती ने पत्रकारों से कहा कि बसपा ने ही प्रदेश में दलितों, पिछड़ों तथा वंचितों के लिए काम किया है। मायावती ने कहा कि हम हर वर्ग की भलाई के लिए सरकार चलाएंगे। बसपा दलितों के मुद्दे पर गंभीर है। 2007 की तरह फिर सत्ता में वापस आएंगे। इस दौरान मायावती ने कहा कि सतीश चंद्र मिश्रा के बेटे कपिल के साथ आकाश आनंद भी पार्टी के लिए काफी मेहनत कर रहे हैं। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ,मान्यवर कांशीराम के सिद्धांतों पर चलकर कमजोर, दलित, लाचार ,असहाय लोगों की मदद की है और कर रहे हैं। मायावती ने विधानसभा चुनाव में खुद के लड़ने की खबर पर भी साफ–साफ जवाब दिया। उन्होंने कहा, मीडिया को मेरे खिलाफ कोई मुद्दा नहीं मिल रहा है तो वो आये दिन मेरे चुनाव लड़ने के मुद्दे को उछालते रहते हैं। मैं चार बार लोकसभा और तीन बार राज्यसभा की सदस्य रह चुकी हूं। मैंने अपनी पार्टी के हित में सीधा चुनाव लड़ने की जगह अपने कार्यकताओं को जिताने का काम करूंगी। हमारे संविधान में ये व्यवस्था है कि कोई बिना चुनाव लड़े भी अपनी योग्यता से किसी प्रदेश का मुख्यमंत्री बन सकता है। लखनऊ में शनिवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर विधानसभा चुनाव में पहले चरण के मतदान के लिए पार्टी के 53 प्रत्याशियों की सूची जारी करने के साथ ही अपनी लिखित किताब ब्लू बुक के 17वें भाग का विमोचन भी किया।

सम्पादकीय

पूरी दुनिया मानती है भारतीय सेना का लोहा

15 जनवरी को प्रतिवर्ष भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 15 जनवरी को 74वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है।

इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग–अलग रेजिमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया।

15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर–इन–चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर–इन–चीफ थे। 1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवश्त्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी।

भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे 'भारतीय थल सेना' नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकर्ताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी। देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947–48 में हुए भारत–पाक युद्ध को 'कश्मीर युद्ध' नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग–ला–रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत–पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था।

सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरंतर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। भारतीय सैन्य बल में तेरह लाख से अधिक सक्रिय सैनिक, साढ़े ग्यारह लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4400 से ज्यादा टैंक टी–72, टी–90, अर्जुन एमके–1, अर्जुन एमके–2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शमिल हैं। पूरी दुनिया आज भारतीय सेना का लोहा मानती है।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो। भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो–सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे–ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं। धरती पर लड़ी जाने वाली लड़ाइयों के लिए भारतीय सेना की गिनती दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में होती है और कहा जाता है कि अगर किसी सेना में अंग्रेज अधिकारी, अमेरिकी हथियार और भारतीय सैनिक हों तो उस सेना को युद्ध के मैदान में हराना असंभव होगा। जापान के एक आकलन के मुताबिक भारतीय थलसेना चीन के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। इस रिपोर्ट के अनुसार हिन्द महासागर के मध्य में होने के कारण भारत की रणनीतिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है और दक्षिण एशिया में अब भारत का काफी प्रभाव है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट सीएनएन की एक रिपोर्ट में भी दावा किया गया है कि भारत की ताकत पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ गई है और युद्ध की स्थिति में भारत का पलड़ा भारी रह सकता है। बोस्टन में हार्वर्ड केनेडी स्कूल के बेलफर सेंटर फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल अफेयर्स तथा वाशिंगटन के एक अमेरिकी सुरक्षा केन्द्र के अध्ययन में कहा जा चुका है कि भारतीय सेना उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ाई के मामले में माहिर है और चीनी सेना इसके आसपास भी नहीं फटकती।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

नफरत की चपेट में नौजवान

–सत्यम पांडेय–

पिछले हफ्ते आभासी मीडिया पर हुए कारनामे ने सभी का ध्यान खींचा था। इसमें कुछ लोगों ने महिलाओं, खासकर मुस्लिम महिलाओं की फोटो डालकर उनकी बोली लगाई थी। इसे लेकर देशभर की पुलिस और न्याय व्यवस्था सक्रिय है, लेकिन सवाल है कि इस तरह की गलीज हरकत करने वाले युवा प्रोफेशनल्स के दिमाग में कौन यह जहर भरता है? किसके उकसावे पर ये अच्छे–खासे पढ़े–लिखे युवा घटिया हरकतें करने लगते हैं। इस आलेख में इस विषय की पड़ताल करेंगे।

'सुल्ली डील्स' एप बनने के छह महीने बाद दिल्ली पुलिस ने 9 जनवरी को मध्यप्रदेश के इंदौर से एक 26 वर्षीय युवक ओंकारेश्वर ठाकुर को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस के अनुसार ओंकारेश्वर ठाकुर ने ही 'सुल्ली डील्स' एप बनाया था और वो इसके पीछे का मास्टरमाइंड है। इसके पहले 'बुल्ली बाई' एप के सिलसिले में उत्तराखंड से एक युवती श्वेता सिंह और बंगलौर से विशाल कुमार झा तथा सीहोर में पढ़ रहे नीरज विश्नोई को असम के जोरहाट से गिरफ्तार किया गया है। इस साल के पहले ही दिन मुंबई पुलिस ने 'गिटहब' पर होस्ट किए गए एक एप 'बुल्ली बाई' के डेवलपर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है जिसने लगभग 100 मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरें उनकी अनुमति के बिना हासिल कर उनका दुरुपयोग किया और उन्हें इस एप के अन्य उपयोगकर्ताओं के लिए नकली नीलामी करने में इस्तेमाल किया। एप को बढ़ावा देने वाले ट्विटर हैंडल के खिलाफ भी एक एफआईआर दर्ज की गई है। गिटहब एक ऐसा ओपन–सोर्स प्लेटफॉर्म है जो यूजर्स को एप्स क्रिएट करने और उन्हें शेयर करने की सुविधा देता है। एक सोशल मीडिया यूजर के अनुसार इस एप को खोलते ही सामने एक मुस्लिम महिला का चेहरा आता है जिसे बुल्ली बाई का नाम दिया गया है। ट्विटर पर प्रभावी उपस्थिति रखने वाली तथा सार्वजनिक जीवन में सम्मानित मुस्लिम महिलाओं का नाम इसमें इस्तेमाल किया गया है।

सिर्फ इतना ही नहीं, मिलते–जुलते नाम वाले एक ट्विटर हैंडल से इसे प्रमोट भी किया जा रहा है। इस ट्विटर हैंडल पर खाली सपोर्टर की फोटो लगी है और लिखा है कि इस एप के जरिए मुस्लिम महिलाओं को बुक किया जा सकता है। महिलाओं की फोटो के साथ प्राइस टैग भी लिखा हुआ है। सुल्ली और बुल्ली दोनों ही अपमानजनक अपशब्द हैं, जिनका इस्तेमाल मुस्लिम समुदाय की महिलाओं के लिए किया जा रहा है। पिछले साल इससे मिलते–जुलते नाम वाला सुल्ली डील्स एप भी विवादों में था जिसे गिटहब पर ही बनाया गया था। इस एप पर भी मुस्लिम महिलाओं की फोटो उनके सोशल मीडिया अकाउंट से उठाकर अपलोड कर दी गई थीं। बाद में विवाद के चलते इस एप को हटा दिया गया था। बुल्ली बाई जैसी घटनाओं में साइबर अपराधी इंटरनेट से लोकप्रिय महिलाओं, प्रभावशाली लोगों, पत्रकारों आदि की तस्वीरें लेते हैं और उनका उपयोग अपने वित्तीय लाभ के लिए करते हैं। सोशल मीडिया के जानकारों के अनुसार ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब साइबर जगत में महिलाओं के खिलाफ इस तरह कोई अपराध किया गया हो। इसके पहले भी मई 2021 में, 'लिबरल डोगे' नाम के एक यू–ट्यूब अकाउंट के जरिए भारत और पाकिस्तान की मुस्लिम महिलाओं की नकली नीलामी की गई थी। उपरोक्त उदाहरणों में ज्यादातर मुस्लिम पश्ष्ठभूमि की मुखर महिलाओं को सूचीबद्ध किया गया है और उनकी तस्वीरों में हेरफेर किया गया है।

इनमें इस्मत आरा–एक खोजी पत्रकार, सईमा–एक रेडियो जॉकी, शबाना आजमी एवं स्वरा भास्कर–अभिनेत्रियां, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई और फातिमा नफीस–जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के उस छात्र नजीब अहमद की 65 वर्षीय मां, जो 2016 से गायब हो गया था, समेत कई किशोर वय की लड़कियां भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार भोपाल के नजदीक सीहोर में पढाई कर रहा 21 वर्षीय नीरज बिश्नोई बुल्ली बाई मामले में मुख्य साजिशकर्ता है और उसे असम के जोरहाट से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने कहा कि नीरज गिटहब पर बुल्ली बाई एप का निर्माता होने के साथ–साथ बुल्ली बाई का मुख्य ट्विटर अकाउंट धारक भी है। उसे दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस यूनिट ने गिरफ्तार किया था। उसे आगे की जांच के लिए जोरहाट से दिल्ली ले जाया गया। उसके कॉलेज के प्रबंधन का कहना है कि बिश्नोई यहां द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा है और काफी होशियार छात्र है। हालांकि कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के चलते वह अब तक ऑनलाइन कक्षाएं ही लेता रहा है। इससे पहले बुल्ली बाई एप मामले में दो छात्रों को हिरासत में लिया गया था जिनमें एक मुंबई का और एक बेंगलुरु का रहने वाला 21 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र विशाल कुमार झा है। इसके अतिरिक्त इस मामले में मुंबई पुलिस ने उत्तराखंड की 18 वर्षीय इंजीनियरिंग की छात्रा श्वेता सिंह को उधमसिंह नगर जिले से गिरफ्तार किया था। ये सभी होनहार विद्यार्थी हैं और आमतौर पर इनके शैक्षणिक संस्थान इनकी शैक्षणिक प्रगति से संतुष्ट हैं। श्वेता सिंह के माता–पिता का हाल के वर्षों में निधन हुआ है। सवाल उठता है कि इन नौजवानों को अपराधी समझा जाना चाहिए अथवा अपराधा का शिकार? क्या ये अचानक से मुस्लिम महिलाओं के खिलाफ हो गए हैं अथवा कोई और कारण है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है? दो–तीन प्रमुख बातें हैं जिन पर यहां फोकस किया जा सकता है। पहली बात तो यह है कि कोविड के बाद से ऑनलाइन शिक्षा के चलते न केवल युवाओं, बल्कि बच्चों का भी अधिकतर समय मोबाइल और लैपटॉप पर ही गुजरता है।

ऐसे में असामान्य, अश्लील और मुनाफा कमाने वाली वेबसाइटों पर उनकी नियमित आवाजाही हो रही है। असामान्य में सांप्रदायिक, जातिवादी और महिला विरोधी सामग्री का खासतौर पर उल्लेख किया जा सकता है। जब हमारे युवा इन सबका शिकार हो रहे हैं तब वयस्क क्या कर रहे हैं? आप गौर कीजिए कि विगत कुछ सालों में हमारे परिवारों में मुसलमानों और दलितों के प्रति किस भाषा में बात की जा रही है? टीवी की बहसों में किस तरह से सांप्रदायिक और जातिवादी उन्माद पैदा किया जा रहा है? सिर्फ पुरुषों की बातचीत में महिलाओं और दलितों के बारे में उनका नजरिया सुनिए। हिंदू एकता और गौरव गान करने वाले सवर्णों की निजी बातचीत में उस नफरत का स्त्रोत पता चलता है जो हमारे नौजवानों के दिमागों को दूषित कर रही है। हमारे देश की राजनीति पहले से ही इस जहर का शिकार हो गई है। यह पूरा मामला इसलिए हमारी चिंताओं में इजाफा करता है कि अब तक गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी 25 साल से कम आयु के नौजवान हैं और उच्च तकनीकी पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हैं। यह घटना बताती है कि हमारे नौजवान किस हद तक समाज में बढ़ती हुई सांप्रदायिक नफरत के शिकार हो रहे हैं। न केवल मुसलमानों के खिलाफ, बल्कि आमतौर पर महिलाओं के बारे में इस तरह की बढ़ती मानसिकता राजनीतिक दलों के लिए भले समर्पित मतदाता तैयार करने में मदद कर दे, लेकिन आखिरकार इससे लैंगिक अपराधियों की नस्ल तैयार हो रही है। इस मायने में इन नौजवानों को अपराधी की बजाय शिकार की तरह देखा जाना चाहिए और असली अपराधियों तक पहुंचने की कोशिश करनी चाहिए।

रेजिमेंट की उम्मीद में वीरभूमि का शौर्य पराक्रम

–प्रताप सिंह पटियाल–

15 जनवरी 2022 को भारतीय सेना जनरल केएम करियप्पा के सम्मान में 74वां सेना दिवस मनाएगी। 15 जनवरी 1949 को जनरल केएम करियप्पा ने आजाद भारत के प्रथम भारतीय सेनाध्यक्ष के तौर पर ब्रिटिश सैन्य अधिकारी जनरल रॉय फ्रांसिस बचुर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। ज. करियप्पा को सेना ने सन् 1983 में 'फील्ड मार्शल' रैंक से अलंकृत किया था तथा अमेरिका ने उन्हें 'लीजन ऑफ मेरिट' सम्मान से नवाजा था। देशरक्षा में युढद्धक्षेत्र व आंतरिक सुरक्षा तथा ओलंपिक खेल महाकुंभ तक भारतीय सेना के अद्भुत शौर्य की परंपरा का इतिहास गौरवपूर्ण रहा है। लेकिन 'विश्वयुद्धों', आजाद हिंद फौज व आजादी के बाद भारतीय सेना द्वारा लड़े गए पांच बडेढ युद्धों तथा अन्य तमाम सैन्य अभियानों से लेकर गलवान घाटी तक वीरभूमि हिमाचल के सपूतों ने भारतीय सेना का हिस्सा बनकर अपनी संग्रामवीरता के कई गौरवशाली कीर्तिमान स्थापित किए हैं। देश की आजादी के दो महीने बाद 22 अक्तूबर 1947 को पाकिस्तान ने कश्मीर पर भयंकर हमला बोल दिया था। भारत–पाक के उस पहले युद्ध में राज्य के 43 रणबांकुरों ने शहादत देकर पाक सेना को बेदखल करके कश्मीर को आजाद कराया था। कश्मीर के मोर्चे पर उस युद्ध में पाक सेना को धूल चटाकर प्रदेश के सैनिकों ने आजाद भारत का पहला 'परमवीर चक्र' तथा पांच 'महावीर चक्र' अपने नाम करके सर्वोच्च कोटी की वीरता का परिचय दिया था। 1965 के भारत–पाक युद्ध में राज्य के 199 सैनिकों ने मातृभूमि की रक्षा में अपना सर्वस्व न्यौछावर करके पाक सेना की पेशकदमी को नेस्तानाबूद किया था। 1967 में सिक्किम के 'नाथुला' में हुए खूनी सैन्य संघर्ष में चीन के सैकड़ों सैनिकों को जहन्नुम का रास्ता दिखाकर ड्रैगन की 1962 की हनक को ध्वस्त करके बिलासपुर के दो सैनिक वीरगति को प्राप्त हुए थे। 1971 के भारत–पाक युद्ध में पाकिस्तान का भूगोल तब्दील करके प्रदेश के 195 रणबांकुरों ने शहादत को गले लगाकर बांग्लादेश की आजादी का सफीना जारी कर दिया था। अप्रैल 1984 में 21 हजार फीट की ऊंचाई पर मौजूद सियाचिन ग्लेशियर को अपने नियंत्रण में लेने वाले साहसिक सैन्य मिशन 'ऑपरेशन मेघदूत' में राज्य के 36 सैनिकों ने अपना जीवन कुर्बान करके अहम किरदार अदा किया था। सन् 1987 से 1990 तक श्रीलंका में 'ऑपरेशन पवन' के तहत 'इंडियन पीस कीपिंग फोर्स' का हिस्सा बनकर हिमाचल के 25 सैनिकों ने शहादत देकर श्रीलंका की शांति स्थापना में अहम भूमिका निभाई थी। सन् 1999 में 17 हजार फीट की बुलंदी पर कारगिल के पहाड़ों पर लड़ी गई शदीद जंग में पाक सेना का सफाया करके प्रदेश के 52 जांबाजों ने शहादत को गले लगाकर पाकिस्तान की मंसूबाबंदी को दफन करके पाक सिपहसालारों को उनकी औकात दिखा दी थी। जम्मू–कश्मीर में सैन्य बलों द्वारा 1990 के दशक से दहशतगर्दी के खिलाफ 'आपरेशन रक्षक' में कई आतंकियों को हलाक करके अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले कै. संदीप सांखला (18 डोगरा) तथा मेजर सुधीर वालिया (9 पैरा) दोनों 'अशोक चक्र' (मरणोपरांत) विजेता शूरवीर जांबाजों का संबंधा भी हिमाचल से ही था।

लेकिन विडंबना यह है कि रणभूमि में अपनी जांबाजी के कई रक्तरंजित मजमून लिखने वाले वीरभूमि हिमाचल का सैन्य पराक्रम कई वर्षों से भारतीय सेना में अपने नाम की अलग पहचान को मोहताज है। प्रदेश के पूर्व सैनिक लंबे अर्से से कई मंचों से 'हिमाचल रेजिमेंट' की मांग उठाते आ रहे हैं। हिमाचल प्रदेश पड़ोसी मुल्क चीन के साथ 240 किसोमीटर लंबी 'वास्तविक नियंत्रण रेखा' साझा करता है। चीन के महाज पर चल रहे सैन्य टकराव के हालात से महसूस हो रहा है कि चीन के सरहदी क्षेत्रों में पर्वतीय मोर्चों पर सामरिक चुनौतियों से वाकिफ तथा पहाड़ों की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों से जूझने में पहाड़ के अनुभवी युवाओं की सेना में भागीदारी बढ़नी चाहिए तथा सैन्यभर्ती में प्रतिवर्ष एक से ज्यादा अवसर मिलने चाहिए, मगर हमारी सरकारों ने इसके विपरीत राज्य का सैन्य भर्तती कोटा ही कम कर दिया है। वतनपरस्ती के बुलंद इरादों से लबरेज होकर सैन्य वर्दी पहन कर देश रक्षा का सपना संजोए राज्य के लाखों युवाओं के भविष्य पर 'रिक्रूटेबल मेल पॉलिसी' यानी सैन्य भर्ती में 'जनसंख्या अनुपात प्रक्रिया' भारी पड़ रही है जबकि सैन्य भर्ती का मापदंड आबादी नहीं, बल्कि शूरवीरता व बलिदान से भरे स्वर्णिम सैन्य इतिहास के आंकड़ों से तय होना चाहिए। वीरता पुरस्कारों के आकड़ों में हिमाचल का सैन्य शौर्य देश के बडेढ राज्यों की अपेक्षा शिखर पर मौजूद है। देशरक्षा में बलिदान देने में भी राज्य की सैन्य हिस्सेदारी सबसे अधिक है। बरतानिया हुकूमत के दौर में समरभूमि में बहादुरी का सर्वोच्च तगमा 'विक्टोरिया क्रॉस' 02, आजादी के बाद सर्वोच्च सैन्य अलंकरण 'परमवीर चक्र' 04 के साथ एक हजार से अधिक वीरता पदक हिमाचल के सीने पर सजे हैं।

असीम वीरता के आंकडेढ तस्दीक करते हैं कि पहाड़ की सैन्यशक्ति मातश्भूमि की रक्षा में अदम्य साहस व दुश्मन को झुकाने का जज्बा रखती है। हिमाचल की वर्तमान विधानसभा में चार पूर्व सैनिक विधायक के रूप में मौजूद हैं। राज्य के लोकसभा सांसद सुरेश कश्यप खुद पूर्व सैनिक हैं। सांसद अनुराग ठाकुर सैन्य अधिकारी के तौर पर 'प्रादेशिक सेना' '124 टीए सिख' से संबंधित हैं। लाजिमी है कि राज्य के नाम पर रेजिमेंट व सैन्य भर्ती कोटे में बढ़ौतरी तथा सैनिकों के न्याय संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए राज्य में 'ट्रिब्यूनल बैंच' की स्थापना जैसे विषयों को रक्षा मंत्रालय के समक्ष बुलंद लहजे में उठाया जाए ताकि प्रदेशहित के मुद्दों की शिद्दत भरी आवाज सियासी गलियारों तक पहुंच सके। अतीत से गौरवशाली सैन्य पश्ष्ठभूमि का गढ़ रहा राज्य दशकों से अपने पराक्रमी योद्धाओं के उत्तम रण कौशल की लंबी फेहरिस्त सहेज कर 'हिमाचल रेजिमेंट' की उम्मीद में बैठा है। लिहाजा केंद्र सरकार को राष्ट्र के प्रति समर्पण के जज्बात रखने वाले शौर्य का धरातल वीरभूमि के जांबाजों की शूरवीरता को तस्लीम करके राज्य के स्वाभिमान से जुडेढ इस विषय पर विचार करके हिमाचल को अपने शौर्य का सम्मान देना होगा। सेना दिवस के अवसर पर राष्ट्र हिंद की सेना को नमन करता है।

दलबदल पर लगे प्रतिबंध

–प्रभुनाथ शुक्ल–

'लोकतंत्र' बस एक 'शब्द' रह गया है। अब इसकी न कोई परिभाषा न भाषा। गरिमा और गौरवमयी संस्था का क्षरण लोकतंत्र और उसके भविष्य के लिए घातक है। लोकतंत्र, जनतंत्र और राजतंत्र जैसी संस्थाओं को एक दूसरे प्रति विश्वास घट गया है। तीनों के सामंजस्य और समायोजन से राजतंत्र की स्थापना होती है। गणराज्य के संचालन में सभी की अहम भूमिका होती है। लेकिन बदले माहौल में सभी संस्थाओं का नैतिक पतन हो चला है। राजतंत्र में सेवा, समर्पण और नैतिकता खत्म हो चली है। राजतंत्र, जनतंत्र के विश्वास का गला घोट रहा है। सत्ता और कुर्सी की लोलुपता में सब कुछ अनैतिक हो चला है। लोकतांत्रिक मूल्यों और मर्यादाओं की बात बेईमानी है। आज की सियासत छद्म, पाखंडवाद की पोषक हो चली है। राजनीति में जनसेवा सिर्फ खोखला नारा है। उत्तर प्रदेश राज्य विधानसभा चुनाव में इसका पतन देखने को मिल रहा है।

पांच राज्यों में चुनावी घोषणा बाद पाला और दलबदल का सिलसिला चल निकला है। राजनेताओं को अब दलित, शोषित, वंचित, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों का शोषण याद आने लगा है। भाजपा, सपा, बसपा और कांग्रेस जैसे दलों के निर्वाचित प्रतिनिधि सत्ता की लोलुपता में पाला बदल रहे हैं। जबकि निरीह जनतंत्र उनका तालियों और हार से स्वागत करने को बेताब है। ऐसे लोगों से कोई सवाल पूछने को तैयार नहीं है। सत्ता की चाकी कभी स्थिर नहीं रहती है जबकि यहीं स्थिरता पाला बदल का मूल है। दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों के मसीहा बनने वाले भावनात्मक मुद्दों को उछाल कर संबंधित जातियों के वोटबैंक से सत्ता में आने की जुगत लगा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के राज्य विधानसभा चुनाव में पाला बदल चरम पर है। कल यही राजनेता मंच से जिसे गालियां देते थे आज उन्हें गले लगा रहे हैं। जनता सब कुछ जानते हुए भी उनका आलिंगन करने को बेताब है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी बिडंबना यहीं है।

स्वामी प्रसाद मौर्य पिछड़ों के कद्दावर और दिग्गज नेता माने जाते हैं। उनकी राजनीतिक जमीन भी बेहद मजबूत है। बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर उन्होंने समर्थकों के साथ भगवा चोला धारण किया था। लेकिन पांच साल सत्ता का सुख भोगने के बाद समाजवाद की लंबरदारी करने को बेताब दिखते हैं। कांग्रेस और भाजपा का बोया बबूल आज उन्हीं कों चुभ रहा है। मणिपुर, गोवा में कांग्रेस के साथ भजपा ने जो किया आज उसी का वह प्रतिफल भोग रही है। सत्ता से बाहर रहने वाली कांग्रेस कल तक यहीं करती थीं। आज पाला बदलने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य और अन्य निर्वाचित विधायकों को दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों के अधिकार याद आने लगे हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य पांच साल पूर्व इसी न्याय को आगे बढ़ाने के लिए मौर्य भाजपा में आए थे। यहां भी उनके मकसद पूरे नहीं हुए। अब समाजवादी पार्टी की तरफ जाते दिखते हैं। दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों का वह कितना कल्याण कर सकते हैं यह तो वक्त बताएगा। उन्हें दलितों,पिछड़ों की इतनी ही चिंता थी तो साल भर पूर्व भाजपा को क्यों नहीं छोड़ा। चुनाव की घोषणा के बाद आखिर पाला बदल क्यों। क्या उन्हें मालूम है कि भाजपा सत्ता में आनेवाली नहीं है। दलितों की मसीहा मायावती आज कहाँ खड़ी हैं यह सभी जानते हैं। लेकिन दलित समाज कितना बदला है यह वहीं जानता है। लेकिन उसी शोषित और दलित की बात करने वाली बसपा बदले सियासी दौर में हासिए पर है जबकि मौर्य तीसरे दल की आरती में हैं। क्या यहीं दरिद्रनारायण की सेवा है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबका अपना अधिकार है। व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के अनुसार जीने को स्वतंत्र है। लेकिन दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़ों की दुहाई देकर लोकतांत्रिक संस्थाओं का गला घोंटने वाले किसी का नहीं हो सकते। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सब का समान अधिकार है। संवैधानिक संस्थाओं में सभी को बराबर की हिस्सेदारी और अधिकार मिले हैं। दलितों, वंचित, शोषित,पिछड़ों और अल्पसंख्यकों की आड़ में सत्ता की परिक्रमा करने वाले लोग खुद का हित साधते हैं। राजनीति में आने के पूर्व ऐसे व्यक्तियों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति का आकलन होना चाहिए। जाति–धर्म की दुहाई देने वालों ने क्या कभी सोचा कि जिस दलित,अल्पसंख्यक और पिछड़े समाज की दुहाई देकर वह सत्ता में आते हैं उनके निजी संवृद्धि एवं विकास की तुला में वे कहाँ ठहरते हैं। क्या ऐसे वंचित वर्ग कि भी सामाजिक और आर्थिक स्थिति उतनी तेजी से बदलती है जीतने की उनके राजनेता की। समाज के लोगों को इस तरह के राजनेताओं को जातीय मसीहा मानने के बजाय सवाल करने चाहिए।अगर ऐसा नहीं है तो फिर उस समाज को ठगने की कोरी साजिश है।

लोकतान्त्रिक व्यवस्था में दल बदल कानून अप्रासंगिक हो चले हैं। इसका महत्व अब सिर्फ सरकार बचाने के लिए राज्य विधानसभा में व्हीप के वक्त किया जता है। समय के साथ दलबदल कानून निर्बल हो गया है। मेरे विचार में लोकतांत्रिक व्यवस्था में नियंत्रण होना चाहिए। क्योंकि वक्त के साथ इसमें बेतहाशा गिरावट महसूस की गई है। चुनाव आयोग के पास इसकी सीधी नकेल होनी चाहिए। किसी भी दूसरी संवैधानिक संस्था का इसमें हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। व्यक्ति और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर संवैधानिक संस्थाओं का गला नहीं घोटा जाना चाहिए। अगर नौकरी में सेवनिवशति, निलंबन जैसे कानून हैं तो दलबदल के लिए भी होने चाहिए। हत्यारे को अगर फांसी जायज है तो लोकतंत्र की हत्या करने वालों के लिए सजा क्यों नहीं। दल बदल की एक निश्चित सीमा तय हो। निर्धारित वक्त के पूर्व किसी को दल बदलने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। कोई भी व्यक्ति दो राष्ट्रीय दलों से अधिक दलबदल नहीं कर सकता। घपले–घोटाले में दोषी पाए जाने पर उसकी राजनीति पर आजीवन प्रतिबंध लगना चाहिए। जाति, धर्म, भाषा, नस्ल, की आड़ में दल गठित करने की मनाहीं होनी चाहिए।

चुनाव आयोग के पास यह स्वतंत्रता होनी चाहिए कि कोई भी व्यक्ति चुनाव के वक्त दल नहीं बदल सकता उस स्थित में जब चुनावों की घोषणा हो गयी हो। आयोग के पास यह अधिकार होना चाहिए कि एक निश्चित जनमत हासिल करने वाला व्यक्ति या संगठन ही किसी सियासी दल का गठन कर सकता है। आयोग की मंजूरी के बिना किसी को राजनैतिक दल बनाने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। राजनेताओं की हर पांच साल बाद आर्थिक स्रोतों की समीक्षा होनी चाहिए। आय से अधिक संपत्ति मिलने पर आजीवन राजनीति पर प्रतिबन्ध लगना चाहिए।

जनता कि सेवा के बहाने राजनीति में आने वाला व्यक्ति कुछ ही सालों में इतना दौलतमंद कैसे बन जाता है इस पर भी विचार होना चाहिए। राजनैतिक संस्थाओं और दलों के लिए भी नियम होने चाहिए। ऐसी संस्थाएं और लोग सब को नियंत्रित करना चाहते हैं लेकिन खुद अनियंत्रित होते हैं। लोकतंत्र को सबसे बड़ा खतरा ऐसे ही राजनीतिक संस्थाओं और राजनेताओं से है। आयोग को सिर्फ चुनावी घोषणा के दायरे से अलग करना होगा उसे और अधिकार देने की आश्यकता है। लोकतान्त्रिक व्यवस्था में अब चुनाव आयोग की भूमिका और उसके अधिकार पर भी नए सिरे से विमर्श की जरूरत है।

खेत से लौट रहे पूंव प्रधान व परिवार को दबंगो ने दौड़ाकर पीटा पथराव सहित चली लाठी कई घायल

प्रधानी रंजिश का लगाया आरोप हंगामा के दौरान पुलिस से भी अभद्रता सीओ ने की जांच पड़ताल आरोपियों के खिलाप मुकदमा दर्ज

अवध की आवाज ब्यूरा

कदौरा/जालौन ।खेत से मटर तोड़कर घर लौट रहे पूंव प्रधान व उसके परिवार को ग्रामीणों द्वारा रोकते हुए बेरहमी से मारपीट कर दी एव बचाव में दौड़े परिजनों को भी आरोपियों द्वारा घर मे पथराव करते हुए बेरहमी से पीटा गया जिससे उक्त वादी पक्ष के आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस द्वारा काफी मशक्कत के बाद माहौल शांत करते हुए घायलो को अस्पताल भिजवाया गया एव उत्पाती कुछ लोगो को हिरासत में लेकर कार्यवाही की गयी। ज्ञातव्य हो कि थाना कदौरा क्षेत्र ग्राम नाका निवासी पूंव प्रधान राम पाल की पत्नी मीरा देवी द्वारा पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि वो अपने पति व परिवार के साथ बीती रात खेत से मटर तोड़कर घर आ रहे थे तभी रास्ते मे कुछ ग्रामीनो द्वारा दबंगई दिखाते हुए ट्रैक्टर घेर लिया व अभद्रता करते हुए जाति सूचक गाली गलौज देने लगे व चालक स्वामीदीन को पीटने लगे जब मना किया तो उक्त लोग आक्रोशित होते हुए प्रधान के घर मे लाठी डंडे से लैस होकर बाहर से पथराव किया व महिला पुरुषों को बेरहमी से पिटाई की गयी चीख पुकार से गांव के सैकड़ो लोगो की भीड़ इकट्ठी हो गई तभी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा उत्पातीयो को ललकारते हुए मामला शांत कराया गया एव कुछ लोगो को हिरासत में ले लिया

गया। वही घायलो में पूंव प्रधान राम पाल व उसकी पत्नी मीरा पिंकी पुत्री शिवपाल रश्मि पुत्री शिवपाल अमित पुत्र शिवपाल रंजीत पुत्र राम प्रकाश सहित अन्य घायलो को अस्पताल भिजवाया गया। वही पूंव प्रधान द्वारा आरोप लगाया कि पूर्व प्रधानी में रंजिश मानने वालों द्वारा उक्त घटना को अंजाम दिया गया जिसमें वर्तमान प्रधान की भी सहभागिता का भी आरोप लगाया गया। वही पुलिस द्वारा उक्त मामले में गोविंद सिंह वीरू सिंह वीर सिंह सहित 9 लोगो के खिलाप धारा 323 504 506 354 120 बी व हर्जन एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू की गयी है वही वर्तमान प्रधान कल्लू सिंह द्वारा कहा गया कि उनके खिलाप लगाए गए आरोपी निराधार है मामले में निरीक्षक उमाकांत ओझा द्वारा कहा गया कि शराब पीकर कुछ लोगो द्वारा विवाद मारपीट की गयी जिस पर कार्यवाही जारी है वही सीओ राम सिंह द्वारा घटनास्टल की जांच करते हुए प्रेस वार्ता में बताया गया कि मामले में जांच की जा रही है।

राघव क्षेत्र में जनसंपर्क कर मांगा समर्थन!

ब्राह्मण समाज के नवनियुक्त जिलाध्यक्षो को सम्मानित कर लिया आशीर्वाद!

अवध की आवाज ब्यूरा

कालपी,जालौन। 220 विधानसभा क्षेत्र कालपी से प्रबल दावेदार राघव अग्निहोत्री ने द्वारा विधानसभा क्षेत्र में अपनी मेहनत और लगन ओर पार्टी के प्रति समपर्ण भाव से क्षेत्र में अपनी क्षेत्र में अलग ही पहचान बनाने में सबसे आगे की पंक्ति में खड़े दिखाई दे रहे है,और लोग भी उनके द्वारा किये गये कार्यो से प्रभावित होकर उनको आगामी विधायक के रूप में देखना चाहते है। राघव अग्निहोत्री ने आज मकर संक्रांति के शुभअवसर अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राजू पाठक को माल्यार्पण कर आशीर्वाद लिया,और पिपराया ग्राम के पूर्व प्रधान और ब्राह्मण महासभा सम्पूर्ण भारत के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अन्नू महाराज को सम्मानित कर आशीर्वाद लिया, और क्षेत्र में कई ग्रामों जाकर जनसंपर्क किया,सवर्प्रथम कालपी, पिपराया,भदरेखी, सन्दी, उसरगाव,परासन, जोराखेरा, आदि ग्रामों में जनसंपर्क कर समर्थन मांगा, इस मौके पर मुख्यरूप पूर्व विधानसभा महासचिव विवेक मिश्रा,युवजन सभा जिला सचिव श्यामदीप मिश्रा,संतोष तिवारी सन्दी,विवेक यादव,सेवेंद्र शुक्ला,श्याम तिवारी,शिवम कुशवाहा, संजय शर्मा, अमन तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

पशु जीवन कल्याण समिति के तत्वाधान में गौशाला दर्शन व गुड भोज कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

अवध की आवाज ब्यूरा

सिधौली। सीतापुर सिधौली अंतर्गत गौशाला मे शुक्रवार को मकर संक्रांति के पावन पर्व पर पशु जीवन कल्याण समिति के तत्वाधान में त्रिदिवसीय गौ शाला दर्शन कराया गया। साथ ही कान्हा गौ आश्रय स्थल सिधौली, गौशाला रेवरी, गौशाला हमीरपुर, गौशाला दाऊद पुर में सभी गायों को गुड भोज व उनकी सेवा की गई इस पुनीत कार्य में मनोज गौ सेवा वाला,

कार्यक्रम आदर्श नगर पंचायत सिधौली के कान्हा गौशाला से प्रारंभ किया गया, जिसमें गौशालाओं में उपस्थित गायों को गुड़ भोज प्रेमदीप जयसवाल, डॉ ज्ञानेंद्र सिंह, सभासद प्रतिनिधि गुरु प्रसाद, प्रशांत बाबू, अमित मिश्रा, यशू श्रीवास्तव व अन्य गौ भक्तगण उपस्थित रहे।

बाजार में भरभरा के गिरा जर्जर छज्जा एक घायल बाल बाल बचे अन्य मजदूर

अचानक हादसा होने पर मची भगदड़

अवध की आवाज ब्यूरा

कदौरा/जालौन। नगर बाजार में जर्जर दुकान की छत में पुराना

छज्जा भरभरा के गिर गया जिसमें एक युवक घायल हो गया वही अन्य लोग बाल बच गए घटना से मौके पर भगदड़ मच गयी। ज्ञातव्य हो कि थाना कदौरा कस्बे में बाजार स्थित जर्जर दुकान है जिसका छज्जा शुक्रवार की दोपहर अचानक भरभरा कर गिर गया वही काम से जा रहा युवक फरहान अहमद पुत्र डॉ लाला घायल हो गया वही अन्य मौजूद लोग बाल बाल बच गए घटना होने से मौके पर भगदड मच गयी। घायल फरहान को अस्पताल ले जाया गया जिसने बताया कि दुकान इस्त्याक की है जिसमे कपड़े की दुकान है दुकान अत्यधिक जर्जर होने के कारण उक्त हादसा हो गया जिसमें अगर लोग नीचे बैठे होते तो कई लोग घायल हो सकते थे। फिलहाल फरहान को प्राथमिक उपचार के बाद घर ले जाया गया।

काकोरी सीएचसी पर कोविड को लेकर धर्मगुरुओं के साथ बैठक

कोविड टीकाकरण के प्रति लोगों को जागरूक करने की अपील

अवध की आवाज ब्यूरा

लखनऊ। कोरोना के नए वैरिएन्ट ओमीक्रॉन के साथ ही कोरोना के बढ़ते संक्रमण के मद्देनजर काकोरी सामुदयिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सा अधीक्षक डा. दिलीप कुमार भार्गव

ने धर्मगुरुओं के साथ बैठक की। चिकित्सा अधीक्षक ने धर्मगुरुओं से कहा – कोरोना और ओमीक्रॉन से हमें कोविड टीकाकरण ही सुरक्षित बना सकता है, क्योंकि इनसे लड़ने में कोविड टीकाकरण एकमात्र कारगर हथियार है। उन्होंने धर्मगुरुओं से अपील की कि वह कोविड टीकाकरण के प्रति लोगों को जागरूक करने को आगे आयें। वह समुदाय में लोगों को बताएं कि टीका लगवाने से शरीर में कोविड से लड़ने की क्षमता विकसित होती है। टीका लगने के बाद भी कोरोना हो जाता है तो वह घातक नहीं होगा और अस्पताल जाने की नौबत नहीं आएगी। कोविड टीकाकरण से आप खुद तो सुरक्षित रहेंगे ही साथ ही परिवार के अन्य सदस्य भी सुरक्षित होंगे।

डा. भार्गव ने कहा– एक से 15 साल तक के बच्चों के लिए अभी कोविड की वैक्सीन नहीं आयी है। इसलिए हमें कोविड का टीका जरूर लगवाना चाहिए ताकि हमारे बच्चे सुरक्षित रहें द्य उन्होंने कहा– अब तो 15 से 18 वर्ष के किशोरध किशोरियों के लिए और गंभीर बीमारियों से ग्रसित 60 वर्ष की आयु पूरी कर चुके बुजुर्गों को प्रीकॉशन डोज लग रही है। वह सभी टीका जरूर लगवाएं।

जिन लोगों ने कोविड का टीका नहीं लगवाया है वह तुरंत ही कोविड का टीका लगवाएं और जिनकी कोविड की दूसरी डोज का समय आ गया है वह तुरंत ही दूरी डोज लगवाएं।

स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी शशिभूषण ने कहा– गर्भवती और धात्री के लिए भी कोविड का टीका सुरक्षित है। इससे माँ के साथ–साथ गर्भस्थ शिशु भी सुरक्षित रहता है। इसलिए वह भी कोविड का टीका अवश्य लगवाएं। गर्भावस्था के दौरान कभी भी कोविड का टीका लगवा सकती हैं।

ब्लॉक समुदाय प्रक्रिया प्रबंधक प्रद्युम्न कुमार मौर्य ने कहा दृ लोगों को इस बात के लिए जागरूक करें कि कोविड का टीका लगवाने के बाद भी लापरवाही न बरतें। मास्क लगाएं, दो गज की शारीरक दूरी का पालन करें, बेवजह घर से बाहर न निकलें, चेहरे को बार–बार न छुयैं और हाथों को साबुन और पानी से बार–बार धुलें।

शनिवार को प्रातः श्री बांन गढ़ देवी मंदिर प्रांगण में खिचड़ी चढ़ाने को लेकर भक्तों की भारी उमड़ी भीड़

अवध की आवाज ब्यूरो चीफ

गोंडा। गोंडा,पूजन अर्चन के साथ सभी ने मां भगवती के श्री चरणों में मत्था टेक कर आशीर्वाद लिया। मइया बान गढ़ वाली की की। इस मौके पर मंदिर प्रांगण में खिचड़ी भोज का आयोजन किया गया जिसमें नगर व दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों से आए सैकड़ों भक्तों ने खिचड़ी प्रसाद ग्रहण आपा पत्रा (पंचांग) व दक्षिणा भेंट किया। और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर श्री बान गढ़ देवी मंदिर के प्रबंधक कृष्ण गोपाल शर्मा, वरिष्ठ

जय, रूदवा पुर सम्मप महा रानी के गगन भेदी जयकारो से पूरा नगर गुजॉय मान रहा। शनिवार को कस्बे के मध्य स्थित श्री बान गढ़ देवी मंदिर प्रांगण में प्रातः काल से ही खिचड़ी चढ़ाने को लेकर भक्तों का तांता लगा रहा । भक्तों ने मां भगवती श्री बान गढ़ महारानी के श्री चरणों में खिचड़ी चढ़ाई। पूजन अर्चन के साथ मां की आराधना किया। और मइया वान गढ़ वाली की जय,रूदवा पुर सम्मय महारानी की जय के जय कारो से नगर का वातावरण गुंजायमान रहा। सर्वप्रथम माता रानी के चरणों में भोग लगाकर 11 ब्राह्मणों को खिचड़ी प्रसाद ग्रहण कराया गया। यू 0 पी 0 जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (उपजा) इकाई मनकापुर के तहसील अध्यक्ष अमर चंद गुप्ता ने आए हुए सभी ब्राह्मणों को गणेश भाजपा कार्यकर्ता माता प्रसाद उपाध्याय, हिंदू युवा वाहिनी के ब्लॉक अध्यक्ष विशाल शर्मा ,वीर प्रताप सिंह, अनूप जायसवाल ,घनश्याम सोनी(नंगू), दिवाकर कसौधन बृज किशोर गुप्ता कौशल किशोर कसौधान समेत दर्जनों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन श्री बान गढ़ देवी मंदिर के पुजारी राम कुबेर(भंडारी) द्वारा किया गया।

गौरा चौकी बाजार की सड़कों पर स्ट्रीट लाइट लग जाने से राहगीरों को अंधेरे से मिला छुटकारा

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। गौरा चौकी गोंडा बभनजोत मुख्यालय गौरा चौकी में लग रही स्ट्रीट लाइट से सड़कों और पैदल रास्तों पर चलने वाले मनीजोत तक पूरब में बभनान रोड भावपुर तक उत्तर में चंद्रदीप रोड पिपरा अदाई दक्षिण में मसकनवा रोड बुककनपुर तक लगभग 200 एलईडी प्लेटों से पूरा बाजार

बाजार वासियों को रात के समय अंधेरे में ठोकरें नहीं खानी पड़ेंगे गौरा चौकी चौराहा जो 4 जनपदों को जोड़ता है। लगभग 200 एलईडी प्लेट से जगमग होगा गौरा चौकी चौराहे से पश्चिम सादुल्लानगर रोड जगमग होगा अभी तक शाम होते ही पूरा बाजार अंधेरे में डूब जाता था गलियां सुनसान हो जाती थी अब बाजार में नए स्ट्रीट लाइट के लग जाने से गौरा चौकी चौराहा एवं बाजार में रौनक रहेगी।

योगी ने बाबा गोरखनाथ को चढ़ाई खिचड़ी

गोरखपुर, (वेब वार्ता)। सूर्य के मकर राशि के प्रवेश के प्रतीक मकर संक्रांति के पावन पर्व पर शनिवार तड़के से नाथ सम्प्रदाय के प्रसिद्ध शिवावतारी गोरक्षनाथ मंदिर में खिचड़ी चढ़ाने का सिलसिला शुरू हो गया।

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर महंत योगी आदित्यनाथ सबसे पहले बाबा गोरखनाथ को सबसे पहले खिचड़ी चढ़ायी जिसके बाद श्रद्धालु कतारबद्ध होकर अपने आराध्य को खिचड़ी चढ़ाते रहे। इस दौरान योगी मेला परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा जांचने के लिये खुद भ्रमण रहे।

सदियों से गोरक्षनाथ मंदिर में मकर संक्रान्ति के दिन कच्चा चावल. दाल और तिल की खिचड़ी चढाने की परम्परा रही है। मान्यता के अनुसार योगी गोरखनाथ हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा के ज्वाला मंदिर से भ्रमण के बाद गोरखपुर आये थे और यहीं से उन्होंने अपने योग स्थल पर मकर संक्रान्ति के दिन खिचडी चढाने की शुरूआत की थी।

गोरखनाथ मंदिर में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों के अलावा बिहार तथा पडोसी देश नेपाल से भी भारी संख्या में श्रद्धालु खिचड़ी चढाने आते हैं। आज अपरान्ह एक बजे तक पांच लाख से अधिक भक्तों के द्वारा शिवावतारी गोरक्षनाथ को खिचडी चढाने का अनुमान है।

श्रद्धालु मंदिर परिसर में स्थित भीम सरोवर में पहले स्नान करते हैं और उसके बाद योगी गोरखनाथ का दर्शन करने के बाद खिचडी चढाते हैं। भीम सरोवर में देश के सभी पवित्र नदियों का जल डाला गया है। आज से गोरखनाथ मंदिर परिसर में एक माह तक चलने वाला भव्य मेला भी शुरू हो गया है जिसे खिचडी मेला कहा जाता है। मेले में बिहार.दिल्ली और कोलकाता आदि प्रान्तों से दुकानदार आये हैं।

शहर के चौराहा तथा गलियों में चूड़ा लाई पट्टी तिलकुट तथा गजक की दुकानें सजी है। आगरा का तिल लड्डू, बिहार का तिलकुट,बंगाल का रामदाना, कानपुर की गजक एवं लखनऊ की रेवड़ी इस बार लोगों को खूब भा रही है। परम्परागत वस्तुओं के साथ ही साथ इस समय सजावटी सामानों की भी भरमार है।

सुरक्षा के मद्देनजर मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं को मेटल डिटेक्टर से होकर गुजरना पड़ रहा है। भारी संख्या में पुलिस और पीएसी के जवानों को तैनात किया गया है1 सुरक्षा के लिए भरी संख्या में स्वयं सेवक मंदिर के तरफ से लगाये गये हैं। इसके अलावा एनसीसी, स्काउट गाइड और स्वयंसेवी संगठनों ने मेंला में आये श्रध्दालुओं को विशेष सहयोग देने का काम कर रहे हैं। खिचडी चढाने का सिलसला देर रात तक चलने का अनुमान है जिसमें लगभग दस लाख से अधिक श्रद्दालूओं द्वारा खिचडी चढाने की सम्भावना है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी संख्या में आने के मद्देनजर यातायात पुलिस ने गोरखनाथ क्षेत्र में यातायात व्यवस्था में फेरबदल भी किया है।

पुलिस ने 92 अंटे चीनी मंझे के साथ दो दुकानदारों किया गिरफ्तार, दूसरों को दी चेतावनी

वाराणसी। वाराणसी में प्रतिबंधित चीनी मंझे के खिलाफ चलाए गए अभियान के तहत भेलूपुर पुलिस ने शुक्रवार रात खोजवा से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। कब्जे से चीनी मंझे के 92 अंटे बरामद हुए। एसीपी भेलूपुर प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार बच्चे लाल और सोनू यादव द्वारा प्रतिबंधित चीनी मंझे की बिक्री की जा रही थी। इनके कब्जे से 92 चीनी मंझे के अंटे बरामद हुए। दोनों आरोपी सरायनंदन खोजवा के रहने वाले है। वहीं अभियान चलाकर अन्य दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि चीनी मंझे की बिक्री करते हुए पाया गया तो सीधे जेल भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

रमनगरा गांव के प्राथमिक विद्यालय में किया गया वैकनेशन लोगो ने लगाया वैक्सीन

अवध की आवाज ब्यूरो

सिधौली सीतापुर। सीतापुर विकास खंड सिधौली के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिधौली के द्वारा ग्राम पंचायत ससेना के मजरा रमनगरा कोविड–19 टीकाकरण कराया गया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोविड–19 टीकाकरण से वंचित लोगों का टीकाकरण किया गया ।टीकाकरण से वंचित अधिकांश ग्रामीणों ने अपना अपना टीकाकरण करवाया ।15से18 साल के बच्चो ने भी लगाया गया। ग्रामीणों ने सरकार व स्वास्थ्य विभाग के इस टीकाकरण की प्रशंसा की,गुड्डू सिंह, शैलेश कुमार, बराती लाल,खुशी राम, चम्पा, प्राची सिंह, कामनी, उर्मिला, स्थानीय लोगों से टीका लगवाए जाने की अपील भी की तथा लोगों को जागरूक भी किया गया।

मतदाताओं का शत प्रतिशत हो मतदान,, राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक,,

अवध की आवाज

गोंडा। भारतीय जनता पार्टी अनुषांगिक संगठन के राष्ट्रीय महासचिव ने बैठक को संबोधित करते हुए की बूथ का एक–एक कार्यकर्ता हमारे लिए महत्वपूर्ण है हमारी जो प्रत्येक बूथ तक पहुंचने के लिए जो टीम तैयार की गई है उनके संपर्क में रहकर प्रेरित करना है व सत प्रतिशत मतदान करने के लिए आग्रह करना है श्री

पाठक ने बताया कि हमारे कार्यकर्ता हर महत्वपूर्ण है जोकि हर व्यक्ति तक पहुंच कर जन जागरूकता अभियान अथवा वर्चुअल बैठक के माध्यम से कार्यकर्ताओं को सूचना देकर शत प्रतिशत मतदान के लिए आग्रह करेंगे इसी क्रम में प्रदेश के महामंत्री मनीष मिश्र ने बताया कि हमने तैयारी पूरी कर ली है प्रदेश कार्यालय में 24 सदस्य टीम बैठकर संपूर्ण उत्तर प्रदेश के 6 प्रांतों अथवा भारतीय जनता पार्टी के दृष्टि से 94 जनपदों के कार्यकर्ताओं के निरंतर संपर्क में निरंतर प्रदेश के पदाधिकारी बने रहेंगे जिनसे मतदान केंद्रों पर हमारे मतदाता शत प्रतिशत मतदान करने के लिए पहुंचे इसका चिंतन हमारे प्रदेश, क्षेत्र , जिला, मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता करेंगे इसी क्रम में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने बताया जिस प्रकार हमारे राष्ट्रीय महासचिव जी के नेतृत्व में मजदूरों, कामगारों ,कर्मचारियों के के हितों के लिए सरकार से लेकर अस्पताल एवं निचले पायदान तक हमारे राष्ट्रीय महासचिव चिंता करते हैं हमारा संकल्प हैं कि सत प्रतिशत मतदान अवश्य पूर्ण होगा हम अपने कार्यकर्ताओं से निवेदन करेंगे कि पूरे निष्ठा के साथ अपने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करके राष्ट्रीय महासचिव जी के सपने को अवश्य पूर्ण करेंगे ऐसे मौके पर संगठन के प्रदेश के उपाध्यक्ष राम उपग्रह गुप्ता प्रदेश के मंत्री आशुतोष मिश्रा प्रदेश मंत्री पवन वर्मा प्रदेश के आईटी संयोजक गौरव शर्मा सहित कार्यालय प्रमुख शुभम पांडेय उपस्थित रहे।

मिल्कीपुर से आए दिन निकल रहे अजगरों से दहशत, 15 दिन के अंदर वन विभाग ने क्षेत्र से पकड़े कई अजगर

संवाददाता कृष्ण कुमार सिंह

मिल्कीपुर अयोध्या। मिल्कीपुर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में अजगरों के निकलने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है, 15दिन के भीतर दर्जनों अजगर पकड़कर वन कर्मियों ने जंगलों में छोड़ा है, वन कर्मियों का कहना है कि ठंड के मौसम में धूप लेने के लिए अजगर बाहर निकल आते हैं। वन रेंज कुमारगंज अंतर्गत गोयड़ी गांव में दुर्गा बक्श सिंह के दरवाजे पर स्थित हनुमान मंदिर के पीछे किसी जानवर के फुफकार की आवाज सुनकर जब मौके पर ग्रामीण पहुंचे तो उन्होंने देखा कि एक अजगर निकला हुआ है। अजगर को देखने के बाद ग्रामीणों में भय व्याप्त हो गया, क्योंकि इसी स्थान से एक माह पूर्व भी वन कर्मियों ने विशालकाय अजगर को पकड़ कर ले गए थे। फिलहाल ग्रामीणों ने अजगर निकलने की सूचना वन रेंज कार्यालय कुमारगंज को दी। जानकारी मिलने के बाद बीट प्रभारी कुमारगंज सूर्यभान सिंह वन कर्मी अनिल कुमार यादव, इंद्रजीत सिंह, पवन कुमार, दीपक सिंह की टीम मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से कड़ी मशक्कत के बाद अजगर को पकड़ कर बोरी में भर ही रहे थे कि तब तक बीट प्रभारी के पास दूसरी सूचना थाना कुमारगंज क्षेत्र के मसेढ़ा गांव से आती है कि राजेंद्र सिंह के मकान के पास भीटे पर अजगर निकला हुआ है जानकारी के बाद वन कर्मियों की टीम मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से अजगर को कड़ी मशक्कत के बाद पकड़ रेंज कार्यालय कुमारगंज ले आए। वन क्षेत्राधिकारी कुमारगंज आर पी सिंह का कहना है कि ठंड के मौसम में अजगर अपने आशियाने से बाहर निकल कर धूप लेते हैं, फिलहाल क्षेत्र से जो भी अजगर वन कर्मियों द्वारा पकड़े जा रहे हैं उनको विभागीय जंगल में छोड़ दिया जा रहा है। अवध की आवाज

कानपुर प्रेस क्लब व आईरा प्रेस क्लब के तत्वावधान मे विशाल तहरी व गर्म कपडों का वितरण

अवध की आवाज

कानपुर। मकरसंक्रांति के विशेष अवसर पर शहर के प्रसिद्ध चौराहे घंटाघर मे कानपुर प्रेस क्लब व आईरा प्रेस क्लब के तत्वावधान मे विशाल तहरी व गर्म कपडे वितरण का आयोजन किया

गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार कानपुर प्रेस क्लब सरंक्षक सरस बाजपेयी ने किया उन्होंने कहा कि पत्रकार हमेशा सामाजिक सेवाओं के लिए तत्पर रहता है ऐसे ही सभी पत्रकार साथियों को सामाजिक कार्यो मे बढ–चढ कर हिस्सा लेना चाहिए साथ ही गरीबो की मदद हमेशा करते रहना चाहिए।आईरा प्रेस क्लब अध्यक्ष एस पी विनायक ने कहा कि पत्रकारों को सगंठित होकर कार्य करना चाहिए और खबरो के साथ साथ गरीबो की मदद करती रहनी चाहिए।कार्यक्रम की अध्यक्षता व आयोजक आईरा प्रेस क्लब के मडंल उपाध्यक्ष व कानपुर प्रेस क्लब के सदस्य बाल किशन द्वारा किया गया।कार्यक्रम मे कानपुर प्रेस क्लब पदाधिकारी अध्यक्ष अवनीश दिक्षित, महामंत्री कुशाग्र पांडेय,वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरज अवस्थी,उपाध्यक्ष सुनील साहू,कोषाध्यक्ष अभिलाष बाजपेयी, मंत्री रमन गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य अमन व इब्ने हसन जैदी ,वेद गुप्ता और आईरा प्रेस क्लब के कोर कमेटी पदाधिकारी फैसल हयात,नदीम सिद्दीकी, मडंल उपाध्यक्ष सुशील उत्तम,जिला अध्यक्ष एस पी विनायक, महामंत्री दिग्विजय सिंह, उपाध्यक्ष शकील अहमद,मंत्री शानू खांन,वरिष्ठ प्रचार मंत्री विपुल सिंह,जिला सोशल मीडिया प्रभारी शावेज आलम,दानिश खान,गौरव पासवान, अमित कटियार, एस पी,अरूण कश्यप, मोहित पांडेय, राष्ट्रीय सोशल मीडिया प्रभारी मयंक सैनी के साथ सैकडो पत्रकार मौजूद रहे।

मोदी ने 16 जनवरी को स्टार्टअप दिवस के रूप में मनाने की घॉणा की, युवा उधमियों को पूरी सहायता का भरोसा दिया

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में तेजी से बढ़ रहे स्टार्टअप उद्यमों के लिए उनके फलने–फूलने के परिवेश को और अच्छा बनाने का शनिवार को आश्वासन देते हुए कहा कि स्टार्टअप इकाइयां देश के सुदूर क्षेत्रों और महिला आबादी के लिए विकास के अवसरों की विषमता दूर करने में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कि नये विचारों और नवप्रवर्तन के साथ काम करने वाले भारत के युवा स्टार्टअप उद्यमी दुनिया भर में देश का परचम लहरा रहे और समस्याओं के समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। वह स्टार्टअप इंडिया सप्ताह के दौरान युवा स्टार्टअप उद्यमियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बातचीत कर रहे थे। स्टार्टअप सप्ताह कल सम्पन्न हो रहा है। मोदी ने कहा, 'युवाओं के हर सुझाव, हर विचार और हर नवप्रवर्तन को सरकार का पूरा समर्थन मिलेगा।' प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर 16 जनवरी को 'राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस' के रूप में मनाने की भी घोषणा की। मोदी ने वर्ष 16 में इसी दिन सरकार की एक बड़ी पहल स्टार्टअप इंडिया की शुरूआत की थी और स्टार्टअप इकाइयों के लिए कर, पेटेंट एवं कापीराइट्स , श्रम एवं पर्यावरण कानूनों के अनुपालन में कई रियायतें देने के साथ उद्यमपूंजी

कोष सुलभ कराने की पहल की थी। मोदी ने कहा कि भारत में 2015 में बमुश्किल 500 स्टार्टअप थे आज 60 हजार से अधिक स्टार्टअप हो गए है। हमारा स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में अग्रणी स्थान पर हुंच गया है। आज के संवाद में कृषि, स्वास्थ्य, उद्यम प्रणाली, अंतरिक्ष, उद्योग 4.0, सुरक्षा, फिनटेक, पर्यावरण आदि सहित विभिन्न क्षेत्रों के 150 के करीब स्टार्टअप ने भाग लिया। ये इकाइयां भविष्य की प्रौद्योगिकी, विनिर्माण क्षेत्र में चौंपियंस का निर्माण औरग्रोइंग फ्रॉम रूट्स, नजिंग द डीएनए, फ्रॉम लोकल टू ग्लोबल, सतत विकास सहित विभिन्न् विषयों पर काम कर रही हैं। 'आजादी का अमश्त महोत्सव' के एक भाग के रूप में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा 10 से 16 जनवरी, 2022 तक एक सप्ताह चलने वाले कार्यक्रम, 'सेलिब्रेटिंग इनोवेशन इको–सिस्टम', का आयोजन किया है। यह आयोजन स्टार्टअप इंडिया पहल के शुभारंभ की छठी वर्षगांठ का प्रतीक है। मोदी ने कहा कि 2016 में स्टार्टअप इंडिया की बड़ी पहल के बादसरकार ने स्टार्टअप उद्योगों की प्रगति और उन्नति को बढ़ावा देने के लिए

विधानसभा चुनाव 2022 में सभी साथियों से सपा-रालोद की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की कही बात

अवध की आवाज

हरदोइ। नहर डाक बंगले में किसान मसीहा श्रद्धेय चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा के समक्ष रालोद मध्य यूपी के महासचिव देवेंद्र सिंह की अगुवाई में भारतीय जनता युवा मोर्चा के पदाधिकारियों में प्रमुख रूप से–1 शिवलेश सिंह उर्फ शिवा निवासी सुभाष नगर नगर उपाध्यक्ष भाजयुमो। 2. सचिन श्रीवास्तव निवासी कौशलपुरी सदस्य भाजयुमो। 3. अजीत कुमार निवासी ग्राम कनेरा मवाईया सेक्टर अध्यक्ष हरियावा कुरसेली भाजयुमो। 4. मो. इकबाल अहमद निवासी बावन चुंगी कार्यकर्ता भाजयुमो सहित अनेकों युवा कार्यकर्ताओं को जिलाध्यक्ष महेश कुमार सिंह ने राष्ट्रीय लोक दल की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कराई एवं दल में आए सभी नए साथियों का माला पहनाकर स्वागत करते हुए जिलाध्यक्ष महेश कुमार सिंह ने विधानसभा चुनाव 2022 में सभी साथियों से सपा–रालोद की नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने की बात कही एवं सपा–रालोद सरकार बनाने हेतु जमीनी रूप से एवं डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जुटने का आह्वान किया। सदस्यता ग्रहण कराने के उपरांत

जिलाध्यक्ष महेश कुमार सिंह ने उपस्थित सभी नए साथियों सहित चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया एवं राष्ट्रीय लोक दल में आस्था एवं माननीय चौधरी जयंत सिंह जी की नीतियों में विश्वास रखकर आए हुए सभी नए साथियों को रालोद की रीतियों एवं नीतियों को जन–जन तक पहुंचाने एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय चौधरी जयंत सिंह जी के हाथों को मजबूत करने के लिए पूर्ण बहुमत से सपा रालोद सरकार बनाने हेतु अपनी अपनी विधानसभा में प्राण–प्रण से जुटने का आवाहन किया। इस मौके पर रालोद के नगर अध्यक्ष रोहित सिसोदिया, महिला रालोद जिलाध्यक्ष श्रीमती सुमन राव बी डी सी (बावन), जावेद खान जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ,उमेश सिंह जिला प्रवक्ता रालोद, गंगाराम भारती जिला महासचिव रालोद सहित अनेक पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

समाज के हित में पत्रकारों का निष्पक्ष रहना बहुत जरूरी–अनुरागी, पत्रकारों ने एकराय होकर निष्पक्षता व ईमानदारी से कार्य करने का लिया संकल्प

अवध की आवाज

माधौगढ। (जालौन) पत्रकारों के सम्मान को बरकरार रखने के लिए बने संगठन डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब का कार्यकारिणी घोषणा व दायित्व ग्रहण समारोह सोमवार को झाँसी रोड स्थित रामराजा पैलेस में आयोजित किया गया। जिसमें पूरे जिले के कोने–कोने से आए सक्रिय पत्रकारो ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। नवनियुक्त पदाधिकारियों को जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी ने पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही पत्रकारों ने निष्पक्ष व ईमानदार तरीके से समाजहित में हमेशा काम करने व बिना किसी भेदभाव के सही खबरें जनता तक पहुँचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष घनश्याम अनुरागी, डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज राजा व अन्य अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन करके की। इसके बाद आए हुए अतिथियों को बैज अलंकरण करके व फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया गया। इसके उपरान्त मुख्य अतिथि ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को अपने दायित्वों की शपथ दिलाई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि घनश्याम अनुरागी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि पत्रकार समाज का आईना होते है। इसलिए पत्रकारों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह भी जनता के भरोसे को कायम रखते हुए जनता के हित में निष्पक्ष रहकर ही पत्रकारिता करें। इससे समाज का भला होगा। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में आए शहर के ठड़ेश्वरी मंदिर के महंत सिद्धराम दास सिद्दन महाराज व पूर्व विधायक विनोद चतुर्वेदी व डॉ. हरीमोहन पुरवार ने कहा कि पत्रकार समाज के लिए दिन रात ईमानदारी से काम करते हैं। इसके लिए वह बधाई के पात्र है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शिशुपाल यादव व पूर्व विधायक शिवराम कुशवाहा, पूर्व विधायक अरुण मेहरोत्रा व प्रसपा के नेता विष्णुपाल सिंह नन्नू राजा, कॉंग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष चौधरी श्याम सुन्दर व भाकियू के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बलराम लम्बरदार, बसपा नेता शीतल कुशवाहा व बसपा जिलाध्यक्ष धीरेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री दयाशंकर वर्मा व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष आनन्द यादव, गल्ला व्यापार संघ के अध्यक्ष प्रदीप महेश्वरी व पूर्व चेयरमेन विज्ञान सिरौठिया, सपा नेता केशवेंद्र सिंह जूदेव व पूर्व जिला पंचायत सदस्य सुरेंद्र मौखरी, व्यापारी नेता डा. दिलीप सेठ व उरई नगर पालिका अध्यक्ष अनिल बहुगुणा, बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय गौतम, कॉंग्रेस जिलाध्यक्ष दीपांशु समाधिया, समाजसेवी अजय इटौरिया, कांग्रेस नेता रेहान सिद्दीकी, डॉ. बलराम, मंजूरानी अनुरागी, डॉ. प्रशांत निरंजन, डा. शैलेश वर्मा, मनोज चतुर्वेदी, तरुण तिवारी, मिर्जा शाबिर बैग आदि ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब के अध्यक्ष मनोज राजा, लीम सिद्दीकी, अजय श्रीवास्तव, ब्रजेद्र मयक, रमेश पाचाल, सुधीर त्रिपाठी, संजय गुप्ता, मनोज शर्मा, प्रदीप त्रिपाठी, विनय गुप्ता, नितिन याज्ञिक, राकेश सिंह, आविद नकबी, विशाल वर्मा, अनुराग श्रीवास्तव, अजनी श्रीवास्तव, अनुज कौशिक, महावीर याज्ञिक, पंकज पाण्डेय, शरद खन्ना कालपी, अमित द्विवेदी, ओमप्रकाश राठौर, सुधीर पाठक, प्रमोद यादव, अशफाक खान, अखिलेश सविता, आशीष शिवहरे, मुहम्मद अफजाल खान, राजेंद्र यादव, नीरज प्रजापति, ब्रजेंद्र सिंह चौहान, विनोद विक्रम सिंह, पंकज पाण्डेय, हेमन्त चौरसिया, श्याम बिहारी शिवहरे, मुबीन खान, नवजीत सिंह सेंकी, सिराज खान, प्रमोद पाल, वसीम खान, अफरोज, प्रदीप महतवानी, मोहित चौरसिया, आसिफ खान बल्लू, अवधेश बब्लू, मानसिंह, राजू सैनी, अरविन्द बॉबी, दीपांशु, अमित राजावत, देवेंद्र कुशवाहा, मनीष पाण्डेय, अरमान खान, अफसर खान, सुनील श्रीवास्तव, शानू सहारा, रजनीश तिवारी, पुनीत चौरसिया, शत्रुघन यादव, अरुण सेंगर, हरिश्चंद्र दीक्षित, अखिलेश, मयंक राजपूत, चंद्रशेखर राजपूत, विक्की प्रजापति, विक्की परिहार, दीपू द्विवेदी, जमील टाटा, इरफान बाबा, सिंह राठौर, रविंद्र सिंह चौहान, रामप्रकाश पुरवार ताऊजी, आरएन शुक्ला, हरिओम याज्ञिक, दिलीप पांचाल, शैलेंद्र प्रताप, रविद्र गौतम, राहुल अलाईपुरा, सुधीर राणा, रंजीत, आरपी पत्रकार, रविकात चमारी, भगवती शरण विश्वकर्मा, नीरज तिवारी, मुहम्मद इरशाद, राजेश गुप्ता, अफजाल अहमद, रईस अहमद, चांद अहमद, फैजल खान, अमित गुप्ता, दीनानाथ गुप्ता, राजन सेंगर, महावीर याज्ञिक, अवधेश विश्वकर्मा, पूरन प्रताप सिंह, सुरेंद्र श्रीवास्तव, सुखदेव सिंह राजावत, अंकित याज्ञिक, अनूप राठौर, अमित पुरवार पिंकी रामपुरा, दीपक सिंह, महेंद्र सिंह राठौर, मनोज शिवहरे, दीपक उदैनिया, लखन, बिहारी लाल, अफसर हक, रविकात तिवारी, प्रदीप शिवहरे, श्रीगोविंद गुप्ता, बहादुर याज्ञिक, कर्णवीर सिंह, जितेंद्र कुमार याज्ञिक, वीरेंद्र पटेल, महेंद्र अमीटा, केके श्रीवास्तव, अरविंद कुमार, कुलदीप जाटव, रामबाबू रजक, विवेक सिंह ऊमरी, साहिद खान, अमित तिवारी, कुलदीप मिश्रा, रानू शुक्ला, पवन शर्मा, धर्मेंद्र द्य श्रीवास्तव, वीरेंद्र द्विवेदी, सौरभ पाण्डेय, जयप्रकाश शुक्ला, नितिन गुप्ता, अखिलेश कुमार, आशु कुशवाहा, चित्तर सिंह, विवेक तिवारी, रामू शुक्ला, द्य हिमांशु त्रिपाठी, प्रियक शर्मा, ज्ञानेद्र मिश्रा, देवेंद्र चतुर्वेदी, सुधीर मिश्रा, दीपचंद्र सैनी, अवधेश बाजपेयी, अशोक पुरवार, नरेद्र त्रिपाठी, पवन दीप निषाद, अश्वनी निषाद, जावेद अख्तर, धर्मेंद्र चौहान, कपिल सोनी, अनिल गुप्ता, पवन याज्ञिक, अनिल शिवहरे, शाकिर हसन वारसी, राजेंद्र बाथम, द्य रामकेश साहू, नीरज तोमर, कौशल किशोर श्रीवास्तव, प्रदीप गुप्ता, जिंद्र सिंह बब्लू सेंगर, ब्रजेश उदैनिया खनुआ, ब्रम्हकिशोर श्रीवास्तव, इरफान पान, आलोक शर्मा, देवेश स्वर्णकार, अनिल प्रजापति, दीपू तिवारी कुंवरपुरा, द्य सौरभ त्यागी मदारपुर, रामकुमार बाथम अकोढ़ी, राहुल दहगुवा, सलीम अंसारी, ईसा रजा मसूरी, अरविन्द अमित गुप्ता कदौरा, द्य अकित कुमार द्विवेदी, आसिफ रजा, मुकेश कोष्ठा, अश्वनी पाल, श्याम दास, सुरेद्र राठौर, श्रीधर चौहान, मनोज चतुर्वेदी, रामप्रकाश पुरवार, अंकित द्विवेदी, ब्रजेंद्र मयंक, रमेश तिवारी, पुरुषोत्तम रिछारिया, राजेंद्र यादव, असद अहमद, अंजनी श्रीवास्तव, अफजाल खान, अशफाक खान, संजय सोनी, तरुण निरंजन, अतुल चतुर्वेदी, सौरभ मिश्रा, दिलीप पटेल, राहुल राठौर, दुर्गेश कुशवाहा, नवीन कुशवाहा, शैलेंद्र पटैरया, हरीमोहन याज्ञिक, सौरभ झा, जहागीर, आलम खान, मृदुल दांतरे, पवन अग्रवाल, विवेक दुबे, हरिओम याज्ञिक, रविकांत दुबे, वरुण गुप्ता, संजय यादव, रोहित राठौर, विवेक चड्डा, जयप्रकाश रावत, मो. यूसुफ, बांके सोनी, देवेंद्र चौहान, आनंद पाण्डेय, शैलेंद्र निरंजन, अरुण पटेल एवं समाजसेवियों में प्रदीप मिस्टर, रामजी प्रधान, श्रीप्रकाश याज्ञिक, प्रमोद याज्ञिक, रामायण सिंह यादव आदि मौजूद रहे। बोले– एडवोकेट अखिलेश कुमार सविता डिस्ट्रिक्ट प्रेस क्लब जिला उपाध्यक्ष – प्रेस क्लब कलमकारों के हितों की लड़ाई में कभी चूक नहीं करेगा । उनकी रक्षा एवं सुरक्षा के लिए राज्य और केंद्र सरकार को जगाने का बड़े स्तर पर किया जाएगा । उन्होंने कहा कि कलमकारों ने अपनी जान जोखिम में डालकर अनेकों बार आम नागरिकों के सम्मान को बढ़ाने का काम किया है ।हर छोटी से छोटी और भयंकर बड़ी जनसमस्याओं का उजागर हमारे साथी ही कलम की पैनी धार से करते हैं ।दबे कुचले लोगों की आवाज को बुलंद बनाने एवं उनकी हौसला अफजाई भी हमारे साथी करते आए हैं । आज हमारे साथियों की तमाम सारी समस्याएं हैं जिनका निदान करवाने के लिए प्रेस क्लब साथियों के कदम से कदम मिलाकर चलेगा । जिससे उनके हितार्थ कोई भी चूक न हो । बोले – मान सिंह जिला सचिव प्रेस क्लब पत्रकारों के साथ किसी भी तरह का शोषण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा । ईंट जबाब हर हाल में पत्थर से देने का काम किया जाएगा । पत्रकारों के हितों के संगठन एक बड़ी योजना बनाकर सरकारों को सौंपेगा और उनसे अपने साथियों के सम्मान बढ़ाने जाने पर अहम भूमिका अदा की जाएगी । उन्होंने कहा कि संगठन को बहुआयामी दिशा की ओर ले जाने में जो भी प्रयास करना पड़े किए जाएंगे । बोले – अवधेश कुमार विश्वकर्मा तहसील अध्यक्ष प्रेस क्लब संगठन के माध्यम से कलमकारों की आवाज को बुलंद करते हुए उन्हें हर जगह सम्मान दिलाया जाएगा । चौथे स्तम्भ को आगे लाने में संगठन की भूमिका अहम होगी । उन्होंने कहा कि हमारे साथी बिना कुछ वेतन या भत्ता पाने निर्भीक होकर समाज की सेवा करते हैं । वह समाज सेवा के प्रथम अंग है । इनके सम्मान को बरकरार रखने हेतु प्रेस क्लब को जो भी कदम उठाने पड़े संगठन वह कदम उठाने के लिए बाध्य रहेगा । बोले–तहसील महामंत्री प्रेस क्लब सुरेन्द्र श्रीवास्तव पत्रकारों के हितों की लड़ाई में संगठन पूरी मजबूती के साथ लड़ाई लड़ने में अगुवाई करेगा । सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा । बोले– सुखदेव सिंह राजावत कोषाध्यक्ष प्रेस क्लब संगठन पत्रकारों के सम्मान की लड़ाई में कभी भी पीछे नहीं रहेगा । हर साथी को सम्मान मिले पूरा प्रयास किया जाएगा । बोले – मनोज शिवहरे ब्लाक अध्यक्ष प्रेस क्लब कलमकारों को नयी ऊर्जा और उत्साह के साथ संगठन आगे बढ़ाने का काम करेगा । समाज की सभी क्रिया–प्रतिक्रियाओं को आगे लाने काम हमारे साथी करते हैं । जब सम्मान की बात आती तो सभी पीछे होते नजर आते रहें हैं । ऐसे उनके हितों की पूरी ऊर्जा के साथ लड़ाई लड़ने के लिए प्रेस क्लब पूरी तरह से तैयार है । सम्मान में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं होगी । बोले –ब्लाक महामंत्री दीपक उदैनिया समाज को आईना दिखाने का काम हमारे साथी करते हैं पर उनके सम्मान के लिए वह हमेशा से छिपे हुए नजर आते हैं । ऐसे प्रेस क्लब ने वीणा उठाया है कि पत्रकारों के सम्मान में कोई ठेस पहुंचाने का काम करता है तो उससे आर–पार की लड़ाई लडी जाएगी । सम्मान दिलाने के लिए संगठन चौबीसों घंटे प्रयास जारी रखेगा। बोले – दीपक कुमार सिंह राजावत नगर अध्यक्ष प्रेस क्लब कलमकारों को आगे बढ़ाने में प्रेस क्लब अहम भूमिका निभाने में अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिखाई देगा । उनके सम्मान को कैसे आगे बढ़ाया जाए सरकारों और समाज को जगाने का काम युद्धस्तर पर किया जाएगा । सम्मान से किसी भी तरह का समझौता नहीं माना जाएगा हर हाल लड़ाई लडी जाएगी ।

व्यापारी अपने घरों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी कैमरा लगाकर अपराध नियंत्रण में दें योगदान-एसपी

अवध की आवाज

सिंगरौली। 21वीं सदी में अपराधियों पर लगाम लगाने के लिए तीसरी आंख कहे जाने वाले सीसीटीवी कैमरे का योगदान अहम रहता है। अमुमन देखा गया है कि बड़े व्यवसाई भी सीसीटीवी कैमरा जैसी जरूरी चीज नहीं लगवाकर लापरवाही बरतते हैं। जिससे अपराधियों को पकड़ने में खासी दिक्कत पेश आती है। अतः सभी व्यापारी अपने घरों समेत व्यवसायिक प्रतिष्ठान में सीसीटीवी कैमरा लगवा कर अपराध नियंत्रण में अपना योगदान दें। उक्त बातें मोरवा थाना परिसर में आयोजित जनसंवाद में पुलिस अधीक्षक सिंगरौली वीरेंद्र सिंह ने क्षेत्र के वरिष्ठ प्रतिष्ठित एवं आमजन से कही। वही जनसंवाद में पहुंचे सिंगरौली कलेक्टर राजीव रंजन मीणा समेत सिंगरौली विधायक रामलल्लू वैश्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल ने लोगों से कोरोना के तीसरी लहर ओमीक्रोम के मद्देनजर मास्क लगाने, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने समेत सभी कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील की। वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से संवाद करने पहुंचे क्षेत्र के प्रबुद्ध लोगों ने क्षेत्र के ज्वलनशील मुद्दों समेत प्रमुख रूप से सड़क के मुद्दे पर ध्यान आकृष्ट कराते हुए अपना दर्द बयान किया। गौरतलब है कि लंबे समय से बंद पड़े एन एच मार्ग पुनः प्रारंभ भी हुआ जिसकी रफ्तार काफी धीमी गति से जारी है। वहीं इसे खनहना बैरियर से ना बनाकर बहरी से शुरू किए जाने पर यहां के लोग

खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। बैठक में एसडीओपी राजीव पाठक, मोरवा निरीक्षक मनीष त्रिपाठी समेत क्षेत्र के वरिष्ठ एवं गणमान्य नागरिकों में विनय सिंह, बलविंदर सिंह बागी, जियाउर रहमान, मनोज कुलश्रेष्ठ, राजेश सिंह, चंद्र प्रताप सिंह, राजेश्वरी पाठक, एस पी सिंह, भूपेंद्र गर्ग, पवन प्रताप सिंह एवं अन्य लोग मौजूद रहे। जनसंवाद में पहुंचे जिला कलेक्टर ने क्षेत्र के लोगों को आश्वासित किया गया कि बरगवां स्थित ओढ़गड़ी से खनहना तक का एनएच मार्ग जुलाई माह तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय से सुगम आवागमन पर भी तेजी से कार्य जारी है। एनसीएल प्रबंधन से बात कर अलग से कोल कॉरिडोर पर काम चल रहा है। वही अन्य सड़कों की रिपेयर के लिए भी प्रयास किया जा रहा है। मोरवा में जनसंवाद करने पहुंचे जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम के बाद चटका समेत आसपास के क्षेत्रों का दौरा कर अतिक्रमण का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे को लेकर अलग से मुहिम चलाने की बात कही। जिससे अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया है।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।